उपसर्गों का विभाजन

[शास्त्री द्वितीय वर्ष]

→ हिन्दी में प्रचलित उपसर्गों को निम्न-लिखित भागों में विभाजित किया गया है –

1. संस्कृत के उपसर्ग (संख्या – २२)
2. हिन्दी के उपसर्ग (संख्या – 13)
3. उर्दू और फारसी के उपसर्ग (संख्या – 19)
4. अंग्रेजी के उपसर्ग
5. उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय।

(1) संस्कृत के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अति	अधिक	अत्यधिक, अत्यन्त, अतिशय
अधि	ऊपर श्रेष्ठ	अधिकार, अधिपति, अधिनायक
अनु	पीछे, समान	अनुचर, अनुकरण, अनुसार, अनुशासन
अप	बुरा, हीन	अपयश, अपमान,
अभि	सामने, चारों ओर पास	अभिमान, अभिषेक, अभिनय, अभिमुख

Scanned with CamScanner

अव	–	हीन, नीच	– अवगुण, अवनति, अवतार, अवतरण
आ	–	तक, समेत	– आजीवन, आगमन, आरक्षण, आक्रमण
उत्	–	ऊँचा, श्रेष्ठ, ऊपर	– उत्कर्ष, उत्तम, उत्पत्ति
उद्	–	ऊपर, उत्कर्ष	– उद्गम, उद्भव
उप	–	निकट, सदृश, गौण	– उपदेश, उपवन, उपमंत्री, उपहार
दुर्	–	बुरा, कठिन	– दुर्जन, दुर्गम, दुर्दशा, दुराचार
दुस्	–	बुरा, कठिन	– दुश्चरित, दुस्साहस, दुष्कर
निर्	–	बिना, बाहर, निषेध	– निरपराध, निर्जन, निराकार, निर्गुण
प्र	–	अधिक, आगे	– प्रख्यात, प्रबल, प्रस्थान
वि	–	भिन्न, विशेष	– विदेश, विलाप, वियोग
सु	–	अच्छा, अधिक	– सुजन, सुगम, सुपात

भूपेन्द्र सिंह
सहायक प्राचार्य, हिन्दी
अवध विहारी संस्कृत महाविद्यालय,
रहीमपुर, खगड़िया।

Scanned with CamScanner